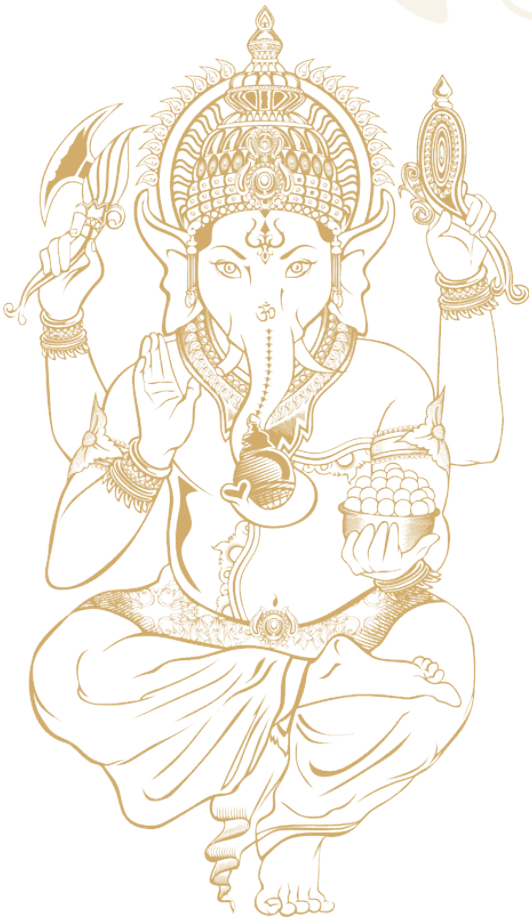

Mr.

13 Nov 2025

10:17 PM

Delhi

Model: Varshphal-2017

Order No: 120143901

तिथि 13/11/2025 **समय** 22:17:00 **वार** गुरुवार **स्थान** Delhi **चित्रपक्षीय अयनांश** : 24:13:10
अक्षांश 28:39:00 उत्तर **रेखांश** 77:13:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:21:08 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	01:28:05 घं	गण	मनुष्य
वेलान्तर	00:15:45 घं	योनि	मूषक
सूर्योदय	06:42:31 घं	नाड़ी	मध्य
सूर्यास्त	17:28:18 घं	वर्ण	क्षत्रिय
चैत्रादि संवत	2082	वश्य	वनचर
शक संवत	1947	वर्ग	मूषक
मास	मार्गशीर्ष	युँजा	मध्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	अग्नि
तिथि	9	जन्म नामाक्षर	मो-मोहन
नक्षत्र	पू०फाल्गुनी	पाया(रा.-न.)	रजत-रजत
योग	ऐन्द्र	होरा	मंगल
करण	गर	चौघड़िया	रोग

विंशोत्तरी
शुक्र 17वर्ष 11मा 0दि
शुक्र
13/11/2025
15/10/2043

शुक्र	13/02/2027
सूर्य	13/02/2028
चन्द्र	14/10/2029
मंगल	14/12/2030
राहु	14/12/2033
गुरु	14/08/2036
शनि	15/10/2039
बुध	15/08/2042
केतु	15/10/2043

योगिनी
उल्का 5वर्ष 4मा 15दि
उल्का
13/11/2025
31/03/2031

उल्का	30/03/2026
सिद्धा	31/05/2027
संकटा	29/09/2028
मंगला	28/11/2028
पिंगला	30/03/2029
धान्या	29/09/2029
भ्रामरी	30/05/2030
भद्रिका	31/03/2031

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			06:58:32	कर्क	पुष्य	2	शनि	बुध	---	0:00			
सूर्य			27:20:31	तुला	विशाखा	3	गुरु	शुक्र	नीच राशि	1.18	आत्मा	पितृ	साधक
चंद्र			14:43:18	सिंह	पू०फाल्गुनी	1	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि	1.10	अमात्य	मातृ	जन्म
मंगल		अ	12:22:53	वृश्चि	अनुराधा	3	शनि	मंगल	स्वराशि	1.25	मातृ	भ्रातृ	वध
बुध	व	अ	11:26:00	वृश्चि	अनुराधा	3	शनि	चंद्र	सम राशि	1.02	पुत्र	ज्ञाति	वध
गुरु	व		00:55:36	कर्क	पुनर्वसु	4	गुरु	मंगल	उच्च राशि	1.46	कलत्र	धन	साधक
शुक्र			14:14:48	तुला	स्वाति	3	राहु	बुध	मूलत्रिकोण	1.13	भ्रातृ	कलत्र	प्रत्यारि
शनि	व		01:07:27	मीन	पू०भाद्रपद	4	गुरु	मंगल	सम राशि	0.83	ज्ञाति	आयु	साधक
राहु			21:55:44	कुंभ	पू०भाद्रपद	1	गुरु	शनि	मित्र राशि		---	ज्ञान	साधक
केतु			21:55:44	सिंह	पू०फाल्गुनी	3	शुक्र	शनि	शत्रु राशि		---	मोक्ष	जन्म

लग्न-चलित

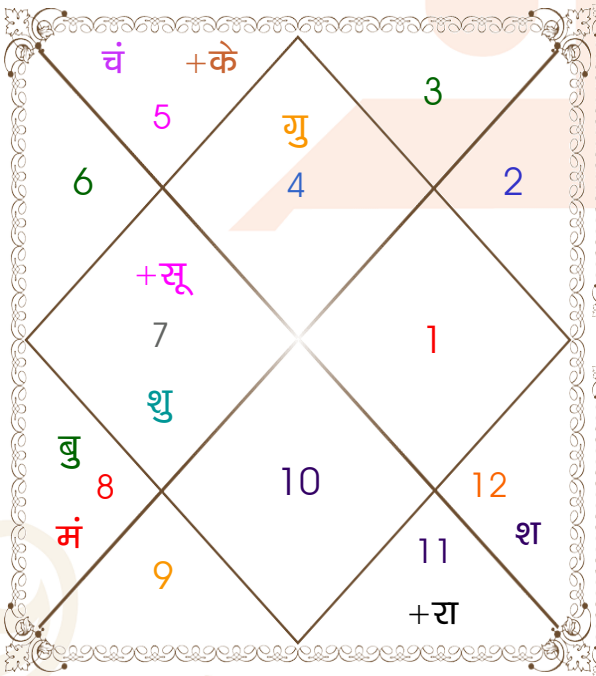

चन्द्र कुंडली

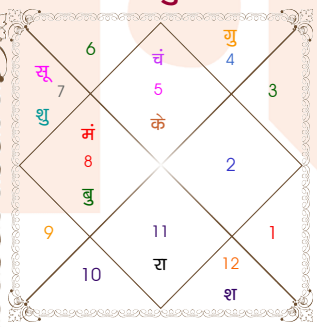

नवमांश कुंडली

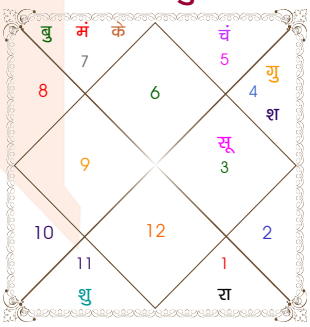

सर्वाष्टकवर्ग

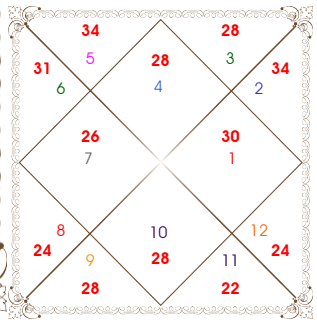

दशमांश कुंडली

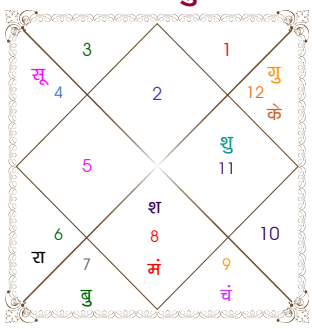

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे एवं शत्रु पक्ष को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। अतः चुनाव, मुकद्दमे या प्रतियोगी परीक्षाओं में इस समय आपको विशिष्ट सफलता या विजय मिल सकती है। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। फलतः दाम्पत्य जीवन में भी प्रसन्नता रहेगी । मित्रों एवं बन्धुवर्ग से इस समय आप वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे तथा आप भी उनकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा। साथ ही नवीन कार्य भी प्रारंभ हो सकता है एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। सेना अथवा पुलिस विभाग में आपको उच्च पद प्राप्त हो सकता है। इसके साथ ही समाज में आपका मान सम्मान तथा यश व्याप्त रहेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा सर्वत्र सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए शुभ रहेगा तथा अपने समस्त सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा पराक्रम से सम्पन्न करेंगे एवं इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी । मन से भी आप शान्ति एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय उत्तम रहेगी तथा सभी पारिवारिक जन परस्पर स्नेह पूर्वक रहेंगे तथा एक दूसरे को अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस वर्ष आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही नवीन आय स्रोतो में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपके विगत रूके हुए कार्य भी पूर्ण होंगे तथा सौभाग्य में भी वृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा तथा व्यापार में इच्छित सफलता एवं धनार्जन प्राप्त होगा। साथ ही व्यापार में वृद्धि या किसी नवीन कार्य की योजना भी बन सकती है। नौकरी या राजनीति में उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ रहेगा इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेता आपसे सन्तुष्ट रहेंगे तथा आपको अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। इस वर्ष में आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा भी उत्तम रहेगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे । इस समय अतिरिक्त धनार्जन भी होगा एवं सुख संसाधनों को भी आप अर्जित करके उनका उपभोग करेंगें। अतः यह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा तथा उन्नति के मार्ग पर आप अग्रसर रहेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्य मान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रूके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा इस समय राज्य या सरकार से आपको सम्मान प्राप्त होगा तथा कार्यक्षेत्र में पदोन्नति की संभावना बनेगी। इससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहेगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इसमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। आर्थिक दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में आप धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे।इस समय आपके विगत रूके हुए महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे एवं मानसिक संकल्प भी पूर्ण होंगे। साथ ही संतति पक्ष से भी निश्चिन्त एवं प्रसन्न रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में भी आप उन्नतिशील रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपके प्रभाव में वृद्धि होगी तथा अन्य लोग भी आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। व्यापार में उन्नति तथा लाभ के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा तथा किसी नवीन व्यापार की भी आप योजना बनाएंगे इससे भविष्य में आपको वांछित लाभ की प्रप्ति होगी। मित्रों एवं संबधियों से इस समय आपके संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सहयोग एवं लाभ अर्जित करेंगे । इसके अतिरिक्त वाहन संबधी सुख भी आपको प्राप्त होगा। अतः समय की अनुकूलता को देखते हुए समय का सदुपयोग करें।

प्रथम मास

13/11/2025 22:17:00 से 13/12/2025 13:36:53 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	06:58:32
सूर्य		तुला	विशाखा	27:20:31
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:43:18
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	12:22:53
बुध	व	वृश्चिक	अनुराधा	11:26:00
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:55:36
शुक्र		तुला	स्वाति	14:14:48
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:07:27
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:55:44
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	21:55:44
मुंथा		कर्क	पुष्य	06:58:32

मासाधिपति

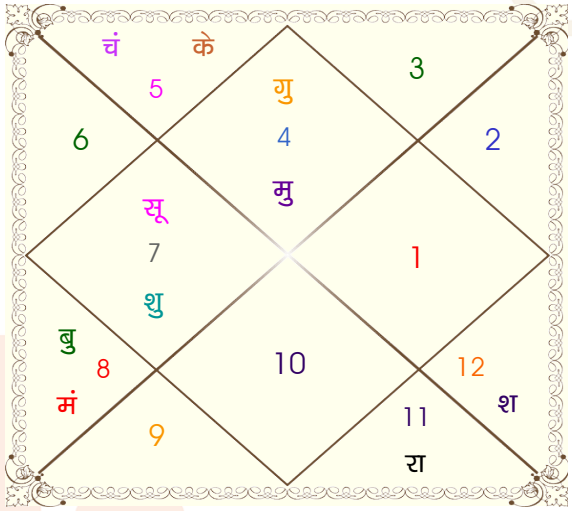

मासाधिपति : मंगल

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा पराक्रम में भी वृद्धि होगी जिससे शत्रु वर्ग आपसे भयभीत रहेगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सम्मान प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आपकी आय होती रहेगी जिससे आर्थिक रूप से पूर्ण रूपेण सुदृढ़ रहेंगे। इसके शुभ प्रभाव से आप समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा भाग्य में भी उन्नति होगी एवं कोई विलम्ब हुआ शुभ एवं महत्पूर्ण कार्य भी सम्पन्न हो सकेगा। इसके, अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में सफलता प्राप्त होगी एवं सम्पूर्ण वातावरण प्रसन्नता से युक्त रहेगा।

साथ ही इस मास में न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इससे आप गर्मी से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रुधिर सम्बधी विकार भी हो सकता है। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधानी रखनी चाहिए। साथ ही आग के द्वारा भी किसी प्रकार की हानि की सम्भावना हो सकती है। अतः सतर्क रहें।

द्वितीय मास

13/12/2025 13:36:53 से 12/01/2026 00:30:11 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	21:40:06
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:20:31
चन्द्र		कन्या	हस्त	13:56:39
मंगल		धनु	मूल	04:17:25
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	07:31:53
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	29:18:52
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:29:49
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:08:36
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	18:50:22
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	18:50:22
मुंथा		कर्क	पुष्य	09:28:32

मासाधिपति

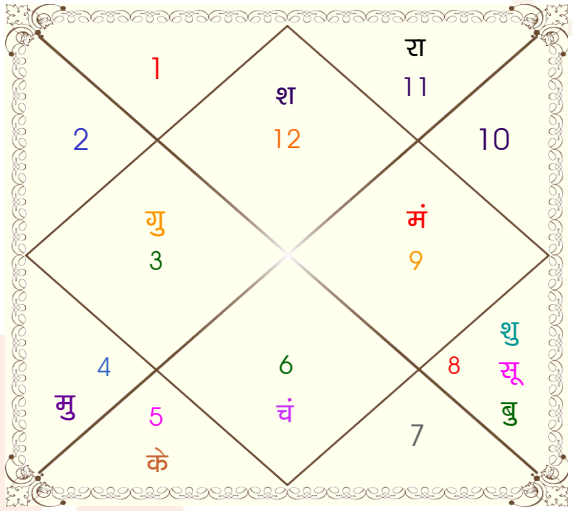

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का अभिवर्द्धन होगा तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से सम्पन्न करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही संतति पक्ष से सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी हो सकता है। इस मास में आपका प्रभुत्व बढ़ेगा तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस माह में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों की भी प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों का आप पूर्ण सम्मान करेंगे तथा श्रद्धापूर्वक उनका पूजन भी केरेंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल सिद्ध होंगे।साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी एवं समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होंगी जिससे आप मन से सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य कई प्रकार से भी आवश्यक सुखों को प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा उत्पन्न होगी। इस प्रकार आप इस मास को पूर्ण सुख शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे।

तृतीय मास
12/01/2026 00:30:11 से 10/02/2026 13:05:08 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	चित्रा	26:28:11
सूर्य		धनु	उत्तराषाढ़ा	27:20:31
चन्द्र		तुला	स्वाति	09:48:14
मंगल		धनु	उत्तराषाढ़ा	26:46:26
बुध		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:15:04
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	25:41:34
शुक्र		धनु	उत्तराषाढ़ा	28:33:39
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	02:39:39
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	16:05:20
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	16:05:20
मुंथा		कर्क	पुष्य	11:58:32

मासाधिपति

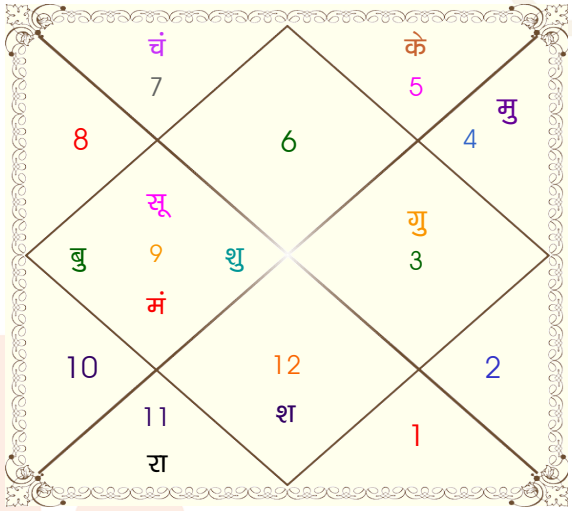

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आपको पूर्ण लाभ होगा तथा सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपका स्वास्थ भी उत्तम रहेगा तथा मन से भी पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। ज्ञानार्जन में भी आप रूचिशील रहेंगे तथा इस क्षेत्र में आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। आपको इस मास वांछित पदार्थों की भी प्राप्ति होगी तथा इनका आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगे। समाज तथा समाजिक जनों से आप पूर्ण आदर एवं सम्मान प्राप्त करेंगे साथ ही विगत रूके हुए कार्यों में भी आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

इसके साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित्त दोष से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे तथा रक्त विकार का योग भी बनता है। अतः दुर्घटना आदि से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि से भी धन हानि होने की सम्भावना है अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

चतुर्थ मास
10/02/2026 13:05:08 से 12/03/2026 09:06:11 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	21:35:38
सूर्य		मकर	धनिष्ठा	27:20:31
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	05:53:17
मंगल		मकर	श्रवण	19:48:36
बुध		कुम्भ	शतभिषा	11:35:34
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	22:11:44
शुक्र		कुम्भ	धनिष्ठा	05:38:03
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	05:22:31
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:54:32
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:54:32
मुंथा		कर्क	पुष्य	14:28:32

मासाधिपति

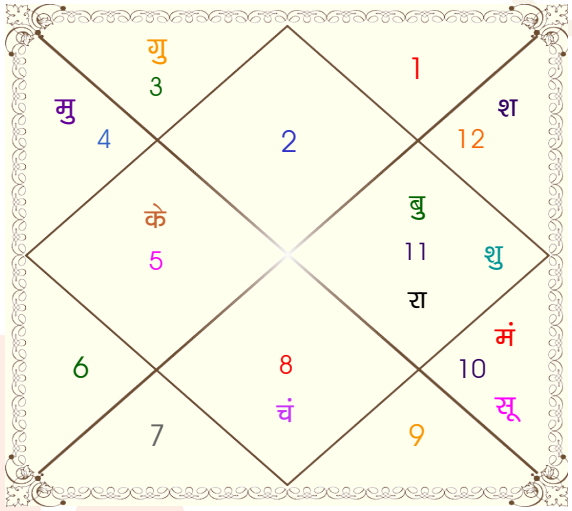

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए उत्तम तथा शुभ फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा नाना प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा एवं सम्मान का भाव विद्यमान रहेगा तथा धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को भी आप सम्पन्न करेंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आश्रय प्राप्त करके समाज में यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस महीने में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनको सहयोग तथा सुख प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप सफलता अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी सुख प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी सद्विचारों की वृद्धि होगी। विविध प्रकार के सुखों का आप इस समय उपभोग कर सकेंगे। इसके अलावा धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने में भी आप सफल हो सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपका शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

पंचम् मास
12/03/2026 09:06:11 से 11/04/2026 16:29:38 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	18:00:15
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:20:31
चन्द्र		धनु	मूल	05:31:14
मंगल		कुम्भ	शतभिषा	13:18:12
बुध	व	कुम्भ	शतभिषा	18:06:37
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	20:51:51
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	12:51:48
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	08:51:09
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:39:49
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:39:49
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	16:58:32

मासाधिपति

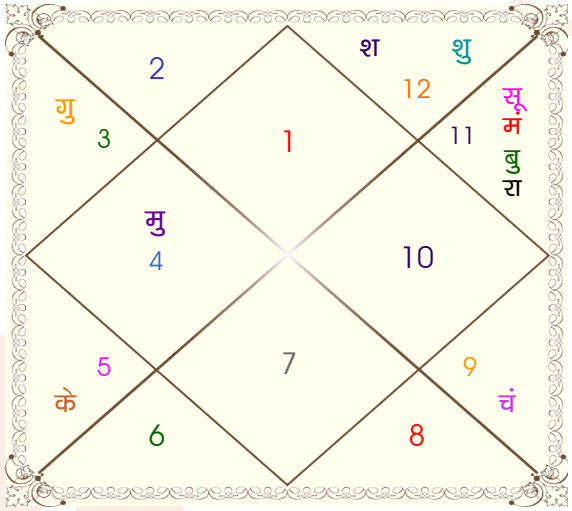

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आपको शारीरिक कष्टानुभूति होगी। साथ ही शत्रु वर्ग से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे जिससे आप मानसिक रूप से भी अशान्त रहेंगे। पारिवारिक जनों से भी इस समय आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से संबधों में तनाव विद्यमान रहेगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में भी हानि या मंदी के योग बनेंगे। साथ ही स्थान या कार्य क्षेत्र में परिर्वतन भी कर सकते है। समाज में भी अधिकाशं लोगों से आपके विवाद होते रहेंगे जिसके कारण उनसे कटुता का व्यवहार रहेगा फलतः आपके समाजिक सम्मान में अल्पता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन हानि भी हो सकती है।

साथ ही इस मास गर्मी या पित्तादि दोषों से भी अस्वस्थ रहेंगे। इस समय किसी कारण से रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार से धन हानि हो सकती है। अतः इस समय आप सावधानी एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास

11/04/2026 16:29:38 से 12/05/2026 12:17:17 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	उ०फाल्गुनी	28:33:17
सूर्य		मीन	रेवती	27:20:31
चन्द्र		मकर	श्रवण	11:27:31
मंगल		मीन	उ०भाद्रपद	07:03:07
बुध		मीन	पू०भाद्रपद	00:48:38
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	22:23:22
शुक्र		मेष	भरणी	20:15:30
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	12:36:48
राहु		कुम्भ	शतभिषा	13:50:56
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	13:50:56
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	19:28:32

मासाधिपति

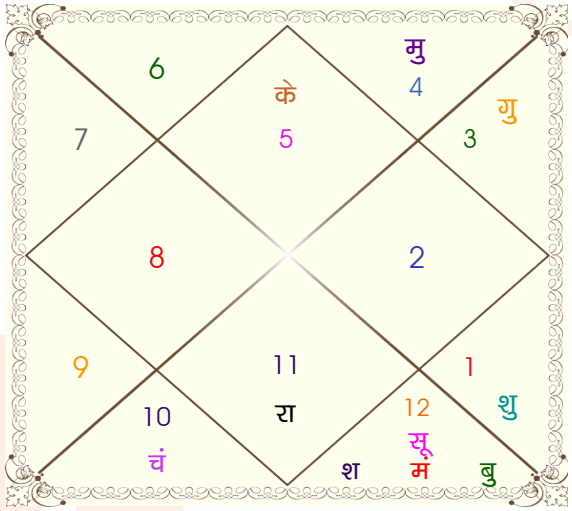

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा। अतः इस समय आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। आप का इस मास में व्ययाधिक्य रहेगा तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी प्राप्त होगी। साथ ही स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अपने ही परिश्रम से सिद्ध हो सकेंगे फिर भी आपको पूर्ण सन्तुष्टि नहीं मिलेगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी धन हानि के योग बनेंगे। मित्रों एवं संबधियों के मध्य आपके संबधों में तनाव रहेगा तथा इनसे आवश्यक सुख तथा सहयोग भी नहीं मिलेगा। इस मास में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उसमें अनावश्यक विध्न बाधाएं उत्पन्न होगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। शत्रुओं से भी आपके हृदय में नित्य चिन्ता तथा भय का वातावरण बना रहेगा। साथ ही महत्वपूर्ण कार्यो में भी मनोवांछित सिद्धि नहीं मिलेगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे आप अपने श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग अर्जित करेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी उन्नति के अवसर बनेंगे। इस मास में आपकी यात्रा भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्रों या वस्तुओं को भी आप अर्जित करने में सफल रहेंगे।

सप्तम् मास
12/05/2026 12:17:17 से 12/06/2026 18:08:17 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	00:03:39
सूर्य		मेष	कृतिका	27:20:31
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:59:47
मंगल		मेष	अश्विनी	00:44:51
बुध		मेष	भरणी	24:33:17
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	26:22:54
शुक्र		वृष	मृगशिरा	27:40:08
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	16:08:47
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	11:36:46
केतु	व	सिंह	मघा	11:36:46
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	21:58:32

मासाधिपति

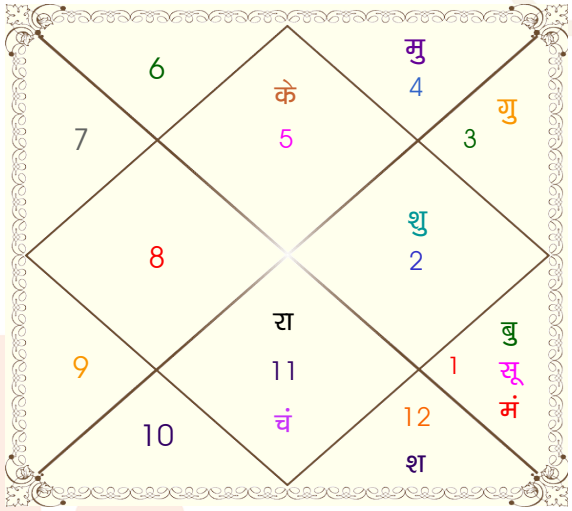

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिये मध्यम रहेगा तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फल आप प्राप्त करेंगे। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा आप दुर्जनों की संगति में सम्मिलित होंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। साथ ही अत्यन्त परिश्रम एवं पराक्रम से ही आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को अल्प मात्रा में सिद्ध करने में सफलता प्राप्त कर सकेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का ही भाव अधिक रहेगा। साथ ही अन्य प्रकार से भी धन हानि या व्यय के योग बनेंगे। इस मास में मित्रों तथा संबधियों से आपके सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा आपस में मन मुटाव तथा तनाव का वातावरण विद्यमान रहेगा। नौकरी या व्यापार आदि में भी इस समय अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी एवं शत्रुपक्ष से भी भय एवं चिन्ता का भाव रहेगा। जिस कार्य को भी आप इस मास में सम्पन्न सम्पन्न करना चाहेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी।अतः इससे आप मानसिक रूप से अशान्त तथा अप्रसन्न रहेंगे।

परंतु अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे।अतः आप स्त्री से सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि भी निर्मल रहेगी तथा बुद्धिमता से आपके कार्य सम्पन्न होंगे तथा अन्य प्रकार से भी सुखी रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति अपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा इस मास में किसी धार्मिक कार्य क्रम को भी आप सम्पन्न कर सकते हैं।

अष्टम् मास
12/06/2026 18:08:17 से 14/07/2026 04:48:01 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	12:49:17
सूर्य		वृष	मृगशिरा	27:20:31
चन्द्र		मेष	भरणी	20:29:18
मंगल		मेष	भरणी	24:00:48
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	21:30:38
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	02:05:15
शुक्र		कर्क	पुष्य	04:41:47
शनि		मीन	रेवती	18:54:30
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	08:27:25
केतु	व	सिंह	मघा	08:27:25
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	24:28:32

मासाधिपति

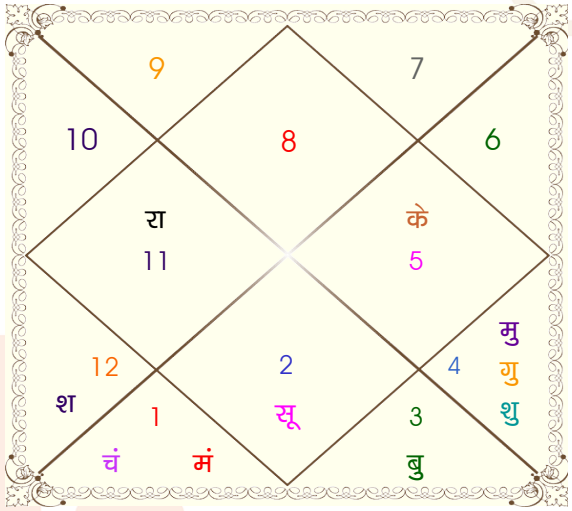

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ तथा भाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। साथ ही आपके धर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होगा।संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा एवं श्रद्धा पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा। इस मास में आपकी लाभ दायक यात्रा का योग भी बनेगा। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सम्मान तथा सहयोग भी अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज में आप एक सम्माननीय तथा प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला वर्ग से पूर्ण सहयोग एवं लाभार्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपको प्रचुर मात्रा में धनार्जन भी होगा तथा सुख साधनों को भी आप अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आपकी रूचि रहेगी तथा समाज में पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा व्याप्त रहेगी।

नवम् मास
14/07/2026 04:48:01 से 14/08/2026 13:36:04 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	16:46:33
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	27:20:31
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	21:13:16
मंगल		वृष	रोहिणी	16:27:48
बुध	व	मिथुन	पुनर्वसु	25:53:25
गुरु		कर्क	पुष्य	08:44:52
शुक्र		सिंह	मघा	10:28:43
शनि		मीन	रेवती	20:22:45
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	06:06:13
केतु	व	सिंह	मघा	06:06:13
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	26:58:32

मासाधिपति

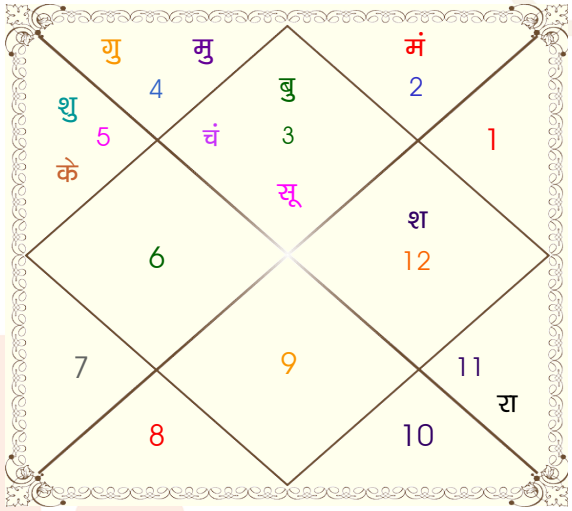

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप अपने पराकम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित मान सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस समय आपके यश में भी अभिवृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से आपको आश्रय प्राप्त होगा तथा इसी परिपेक्ष्य में आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल हो सकेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न के प्रति भी अधिक रूचिशीलता का प्रदर्शन करेंगे।साथ ही आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रुवर्ग इस मास में आपका निर्बल रहेगा फलतः वे आपसे पराजित रहेंगे। स्त्री से भी आप सुख की प्राप्ति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापारादि कार्यो से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही इस समय आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवहेलना होगी तथा बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

दशम् मास
14/08/2026 13:36:04 से 14/09/2026 14:25:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	07:34:14
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	27:20:31
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	18:33:14
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	07:44:24
बुध		कर्क	पुष्य	13:47:12
गुरु		कर्क	पुष्य	15:40:15
शुक्र		कन्या	हस्त	13:13:00
शनि	व	मीन	रेवती	20:13:44
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:33:24
केतु		सिंह	मघा	05:33:24
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	29:28:32

मासाधिपति

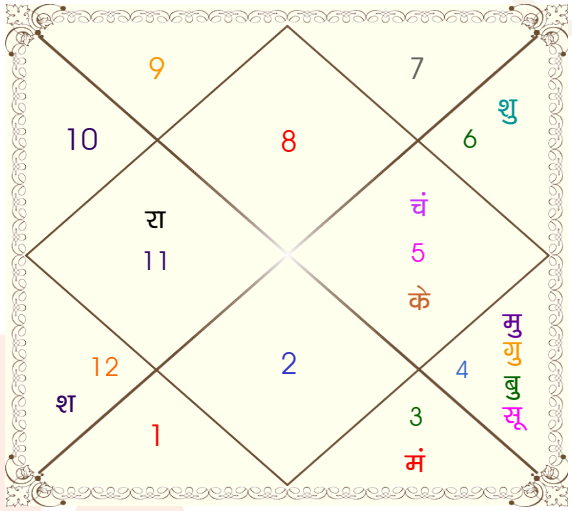

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा आपके उच्चाधिकारी वग! आपसे पूर्ण प्रसतथा सन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न होगा। संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग मिलेगा तथा इनकी ओर से आप निश्चिन्त रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे।साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा तथा आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी कर सकते है। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सम्मान तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस प्रकार सर्वत्र आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धन एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति आप श्रद्धालु होंगे एवं धर्मानुपालन में तत्पर रहेंगे जिससे समाज में आपके सम्मान में अभिवृद्धि होगी।

एकादश मास
14/09/2026 14:25:51 से 15/10/2026 03:31:14 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:58:00
सूर्य		सिंह	उ०फाल्गुनी	27:20:31
चन्द्र		तुला	स्वाति	06:56:19
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	27:30:24
बुध		कन्या	हस्त	11:53:06
गुरु		कर्क	आश्लेषा	22:12:26
शुक्र		तुला	स्वाति	08:15:30
शनि	व	मीन	रेवती	18:35:46
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:26:08
केतु	व	सिंह	मघा	05:26:08
मुंथा		सिंह	मघा	01:58:32

मासाधिपति

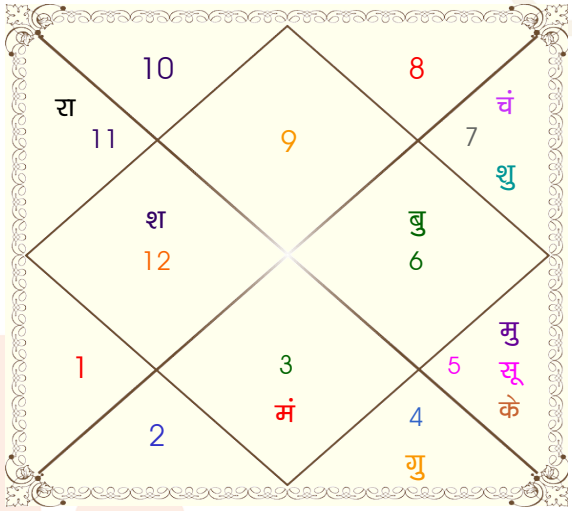

मासाधिपति : सूर्य

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जित करने में सफल रहेंगे तथा आर्थिक रूप से पूर्ण सम्पन्न रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथासमय सिद्ध करने में सफल रहेंगे। इस मास में आप अपने घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते है। इस समय संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे।साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस समय आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी योग बनेगा। अपने बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र सम्माननीय तथा आदरणीय समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में श्रद्धा का प्रदर्शन करते हुए आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में सम्मान अर्जित कर सकेंगे।

द्वादश मास

15/10/2026 03:31:14 से 14/11/2026 04:22:25 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	19:03:01
सूर्य		कन्या	चित्रा	27:20:31
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	16:24:02
मंगल		कर्क	पुष्य	15:21:30
बुध		तुला	विशाखा	22:10:18
गुरु		कर्क	आश्लेषा	27:42:05
शुक्र	व	तुला	स्वाति	11:37:12
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	16:15:30
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	04:01:07
केतु	व	सिंह	मघा	04:01:07
मुंथा		सिंह	मघा	04:28:32

मासाधिपति

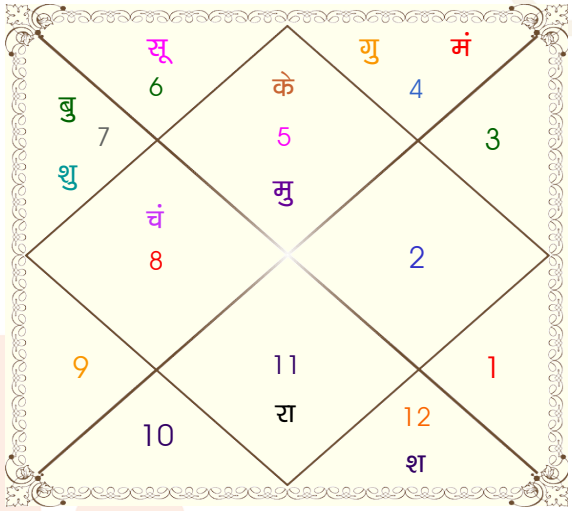

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं शान्तिपूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस महीने आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही आयस्त्रोतों में वृद्धि होगी तथा वांछित लाभ भी प्राप्त करेंगे। इससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य साधनों से भी आप धनार्जन करेंगे। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे तथा आपके भाग्य में भी वृद्धि होगी। इसके अलावा आपके चिर प्रतीक्षित महत्वपूर्ण कार्य भी इसी मास में सफल होंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके घनिष्ठ संबध रहेंगे तथा इनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही सांसारिक कार्यो को सफल बनाने में भी आप समर्थ होंगे। आपका उच्चाधिकारी वर्ग भी इस समय आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेगा तथा इनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग मिलता रहेगा।

साथ ही इस मास में स्त्री एवं पुत्र से आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं आदि प्राप्त करने में सफल हो सकते है। इस प्रकार आप सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।